चेहरे

चित्रा मुद्गल

Chehre

by Chitra Mudgal

प्रकाशकः *पेंगुइन बुक्स, यात्रा बुक्स के सहयोग से*

प्रकाशितः *अप्रैल 2007*

मुद्रणः *पेंगुइन*

मूल्यः *रु 150.00*

आई एस बी एनः *0143101927*

ऐडिशनः *पेपर बैक*

फ़ॉरमेटः *बी*

पृष्ठः *268pp*

वर्गीकरणः *श्रेष्ठ कहानी-संग्रह*

क्षेत्र अधिकारः *विश्व*

- **Published by** Penguin Books India in association with Yatra Books
- **Published:** April 2007
- **Imprint:** Penguin
- **Special Price:** Rs.150.00
- **Cover Price:** Rs.150.00
- **ISBN:** 0143101972
- **Edition:** Paperback
- **Format:** B
- **Extent:** 268pp
- **Classification:** Fiction
- **Rights:** World

कहानियां सर्कस और मेले-तमाशों में आने वाले उन जादुई शीशों की तरह होती हैं जिनमें चेहरे भांति-भांति के आकार लेते हैं। उन्हें देखकर कभी हंसी आती है, तो कभी घबराहट होती है। कहते हैं इंसान की नीयत-बदनीयती उसके चेहरे पर अंकित हो , जाती है। सुप्रसिद्ध कथाकार चित्रा मुद्गल कीकहानियों का यह संकलन 'चेहरे' भी कुछ ऐसा ही है। इन कहानियों में समाज के विभिन्न चेहरे सामने आतेहैं। ये चेहरे कहीं हमारे अपने नज़र आते हैं, तो कभी हमारे आसपास विचरते लोगों के, कभी 'जिनावर' के रूप में, तो कभी 'भूख' बनकर। परत दर परत चेहरों पर से चेहरे हटाता यह संकलन चित्रा मुद्गल की बेहतरीन कहानियों का चयन करने काएक प्रयास है। उम्मीद है पाठकों की कसौटी पर यह खरा उतरेगा।

लेखिका परिचय

10 दिसंबर, 1944 को चेन्नई में जन्मी और मुंबई में शिक्षित 'आवां' की लेखिका चित्रा मुद्गल उत्तर प्रदेश के उन्नाव ज़िले मेंस्थित गांव निहाली खेड़ा के प्रतिष्ठित क्षत्रिय ख़ानदान की बेटी हैं। आपका पहला कहानी संकलन 'ज़हर ठहरा हुआ' 1981 में प्रकाशित हुआ और उपन्यास 'एक ज़मीन अपनी' 1990 में छपा। 1965 से कुछ पूर्व आरंभ हुआ आपका सृजनात्मक सफ़र पत्रकारिता और सामाजिक आंदोलनों से गहरे संबद्ध होने के बावजूद अबाध जारी रहा और अब तक उनके बारह कहानी-संग्रह, तीन उपन्यास, दो वैचारिक संकलन, तीन बाल उपन्यास, सात बाल कथा संकलन, तीन नाट्य रूपांतरण तथा सात संपादित पुस्तकें आ चुकी हैं। मील का पत्थर उपन्यास 'आवां' असमिया, पंजाबी, उर्दू और मराठी में अनूदित हो चुका है। बंगाली में भी शीघ्र प्रकाश्य है। उपन्यास 'एक ज़मीन अपनी' अंग्रेज़ी, मराठी और उर्दू में भी प्रकाशित हो चुका है। आपकी कहानियां लगभग सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के अलावा चेक, जर्मन, अंग्रेज़ी, चीनी में अनूदित हो चुकी हैं। आप 'धर्मयुग', 'साप्ताहिक हिंदुस्तान', 'पराग', 'सूर्या', तथा इंटरनेट की चर्चित पत्रिका 'लिटरेट वर्ल्ड डॉट कॉम' की स्तंभकार रह चुकी हैं।